14 सितम्बर 2021

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

हिन्दी दिवस विशेषांक

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

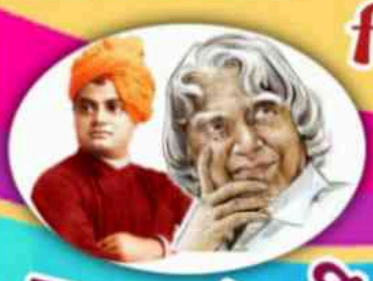

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

01

मैथिलीशरण गुप्त

3 अगस्त 1886 चिरगाँव उत्तर प्रदेश में,
जन्म लिया मैथिलीशरण गुप्त ने।
पिता रामचरण, माता काशी के घर में,
अवतरित हुए लाल तीसरी सन्तान के रूप में॥

मुंशी अजमेरी के मार्गदर्शन में,
हिन्दी और बांग्ला का घर में अध्ययन किया।
12 वर्ष की आयु में ब्रजभाषा में लिख,
कनकलता नामक कविता का आरम्भ किया॥

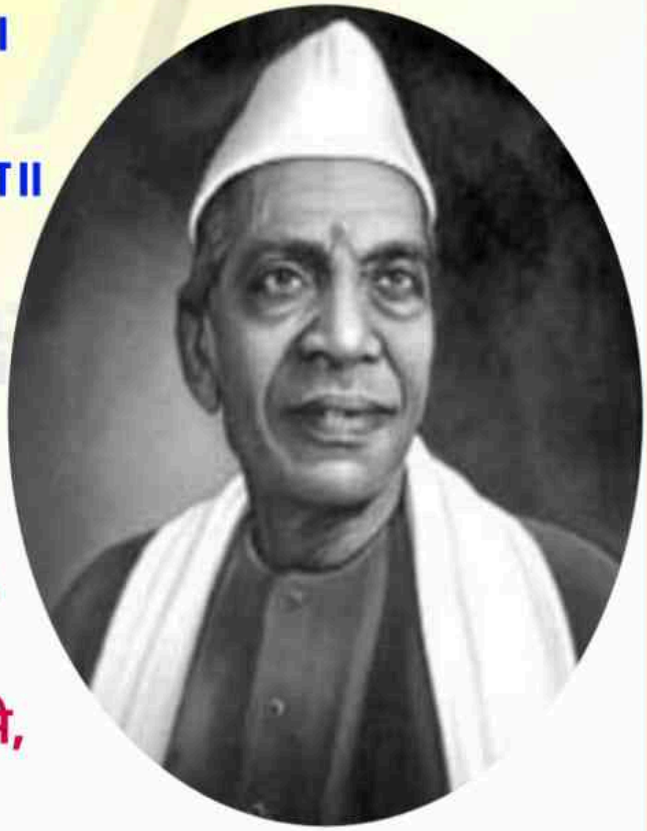

पंचवटी, साकेत, यशोधरा, व उर्मिला से,
साहित्य जगत में नाम रोशन किया।
तब जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने,
मैथिली को राष्ट्रकवि से सुशोभित किया॥

1963 में अनुज सियारामशरण के निधन से,
मैथिलीशरण को अपूर्णनीय आघात हुआ।
12 दिसम्बर 1964 को दिल का दौरा पड़ने से,
साहित्य के जगमगाते तारे का अस्त हुआ॥

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

02

गोस्वामी तुलसीदास

महान सन्त, समाज सुधारक,
थे गोस्वामी तुलसीदास।
'रामचरितमानस' के रचयिता,
थे कवि बहुत ही खास।।

वर्ष पन्द्रह सौ चौव्वन में,
चित्रकूट में जन्मे तुलसी।
पिता आत्माराम दुबे थे,
और माता थीं हुलसी।।

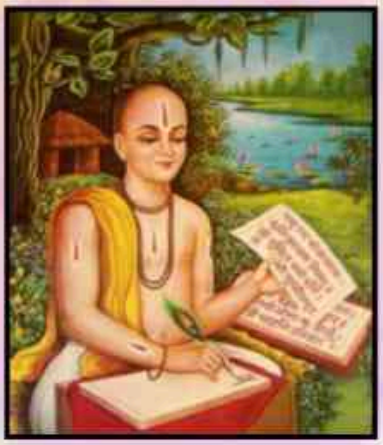

जन्म-समय रोने की जगह,
बोल रहे थे राम-राम।
इसी वजह से तुलसी का,
पड़ा "रामबोला" था नाम।।

पुस्तकें इन्होंने कई लिखीं,
'बरवै रामायण', 'कवितावली',
'रामलला नहछू', 'दोहावली,
विनय पत्रिका, 'गीतावली'।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

03

रहीम दास

अब्दुल रहीम खानखाना,
नाम था कहलाते थे रहीम।
मुसलमान परिवार था उनका,
मानवतावादी मिली तालीम।।

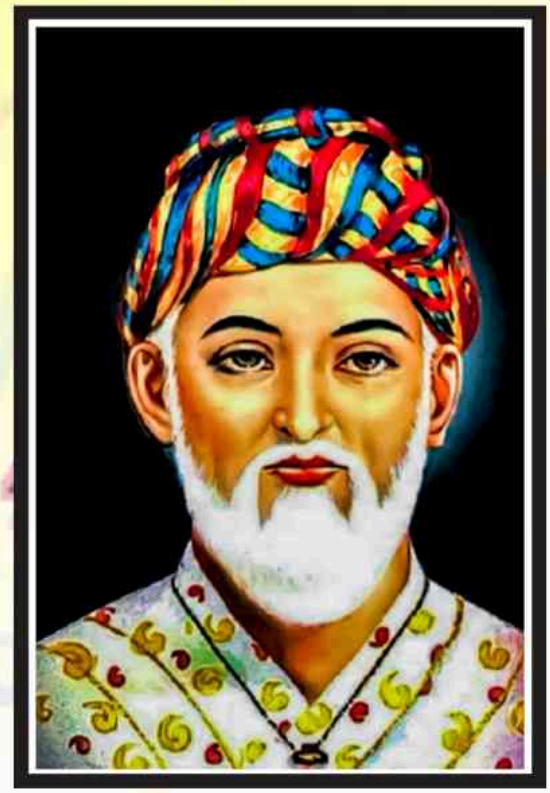

मध्यकालीन कवि, सेनापति, प्रशासक,
व्यवहार में मानवीय बिचार दिखे।
हिन्दू, मुस्लिम समभाव रखकर,
शिक्षाप्रद, मानव कल्याण में दोहे लिखे।

आँखों में शर्म रख काम करो,
पानी से मिलकर चून बने।
बिन पानी सूखे नेत्र, चून,
रोटी और मोती भी न मिले।।

भारतीय संस्कृति के अनन्य साधक,
सभी सम्प्रदायों के प्रति रखा समभाव।
बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी रहीम,
मानव प्रेम के थे वे सूत्रधार।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड़ वजनपद- मथुरा

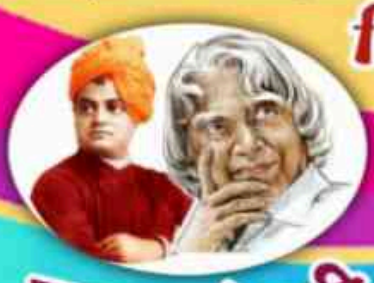

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

04

धर्मवीर भारती

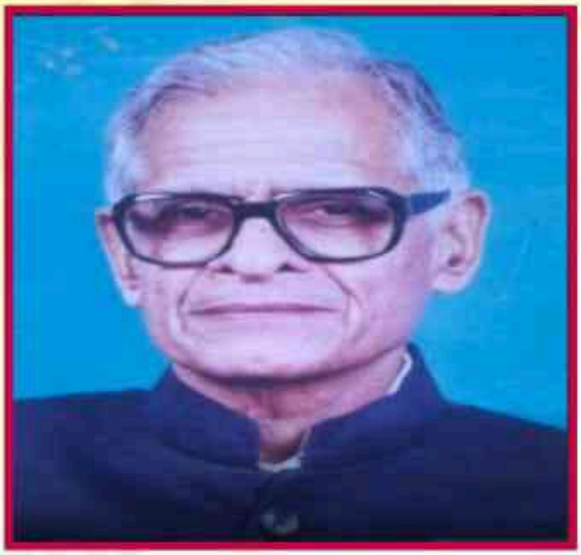

आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख,
लेखक, कवि और नाटककार।
नाम था उनका धर्मवीर भारती,
फैला हुआ है यश अपार।।

चिरंजीव लाल, चन्दा देवी के घर,
25 दिसम्बर 1926 में जन्म हुआ।
इस दिन साहित्य का यह सूर्य,
प्रयागराज में उदय हुआ।।

गुनाहों का देवता, अन्धायुग,
आदि इनकी अनेक रचनाएँ हैं।
पदमश्री सम्मान, भारत-भारती,
अनेक इनके हिस्से में आये हैं।।

धर्मयुग के प्रधान सम्पादक,
लेखनी में मन रमा हुआ।
4 सितम्बर 1997 को मुम्बई,
में यह सूर्य अस्त हुआ।।

रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

05

जयशंकर प्रसाद

जयशंकर प्रसाद थे काशी के लाल,
बहुमुखी प्रतिभा थी बड़ी बेमिसाल।
कला और साहित्य को बनाया महान,
प्रशंसनीय था ऐतिहासिक योगदान।।

युग-प्रवर्तक कवि और उपन्यासकार,
प्रसिद्ध नाटककार और निबन्धकार।
परम्परागत व नव्य थी काव्यशैली,
लेखनी की रश्मियाँ चहुँदिश फैलीं।।

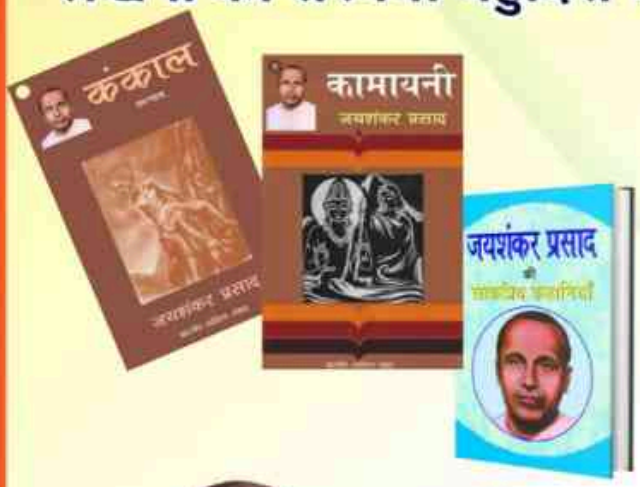

कला की जिनके घर होती थी अर्चना,
की थी उन्होंने तेरह नाटकों की सर्जना।
छाया, इन्द्रजाल और आँधी थीं कहानी,
नाटक थे करुणालय और कामायनी।।

अद्भुत थी लेखनी की विविधता,
मन में थी गहरी कल्पनाशीलता।
अल्पायु में क्षय रोग से तजे प्राण,
खो दिया हमने लेखक व कवि महान ।।

रचना- सुमन शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- गढ़ी माली
वि०ख०- छाता, जनपद- मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

06

मलिक मुहम्मद जायसी

भक्ति काल की निर्गुण,
प्रेमाश्रयी शाखा अपनाये।
प्रभु प्रेम की साधना कर,
जायसी महान सूफी सन्त कहाये।।

रंग मिले साहित्य में इनके,
हिन्दू-मुस्लिम एकता का।
मलिक की मिली पैतृक उपाधि,
सैयद अशरफ नाम पिता का।।

रसराज श्रृंगार बना प्रधान,
युद्ध, प्रकृति, उदार चरित्र-चित्रण।
जन्म लिया उत्तर प्रदेश जायस में,
अमेठी नरेश का मिला संरक्षण।।

फारसी लिपि में आखिरी कलाम,
हिन्दी में प्रबन्ध काव्य पद्मावत।
बताये सृष्टि का उद्भव विकास,
सिद्धान्त ग्रन्थ नाम अखरावट।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

07

महान कवयित्री महादेवी वर्मा

महान कवयित्री छायावादी युग की,
आधुनिक मीरा थी कहलायी।
26 मार्च सन् 1907 को जन्म हुआ,
हिन्दी की सरस्वती की पदवी पायी।।

काव्य रचना का कार्य किया,
समाज सुधार का व्रत भी उठाया।
महिलाओं के कल्याण हेतु,
सामाजिक चेतना को था जगाया।।

मन की पीड़ा को शब्दों में उतार दिया,
जन-जन के दुःखों को हृदय में स्थान दिया।
हिन्दी, संस्कृत, बांग्ला में गीतों को सजाया,
चित्रकारी और अनुवादक का भी कार्य किया।।

1982 को गौरवशाली ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला,
साहित्य आकाश पर ध्रुव तारे सा स्थान मिला।
नीहार, नीरजा, रश्मि हैं काव्य संकलन,
गिल्लू और हिमालय सा इतिहास लिखा।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

08

हरिवंश राय बच्चन

27 नवम्बर 1907 में,
जन्म लिया इलाहाबाद में।
बच्चन नाम से पुकारे जाते,
लेखन के लिए वे जाने जाते।।

श्यामा अर्धांगिनी प्यारी थी,
जिसकी मौत उन पर भारी थी।
तेजी ने फिर थामा हाथ था,
अमिताभ, अजिताभ का साथ था।।

लेखनी उनकी शब्द बरसाती,
नए-नए कलेवर सजाती।
प्रणय पत्रिका हो या मधुबाला,
मिलन यामिनी हो या मधुशाला।।

हर रचना में थे अप्रतिम वे,
पद्मभूषण में चयनित वे।
नहीं जोड़ उनकी लेखनी का,
साहित्य जगत में उनकी हस्ती का।

रचना -
दीपा दीक्षित (प्र०अ०)
प्रा०वि० अनूपपुर
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

मिशन शिक्षण संवाद
हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

09

मुंशी प्रेमचन्द

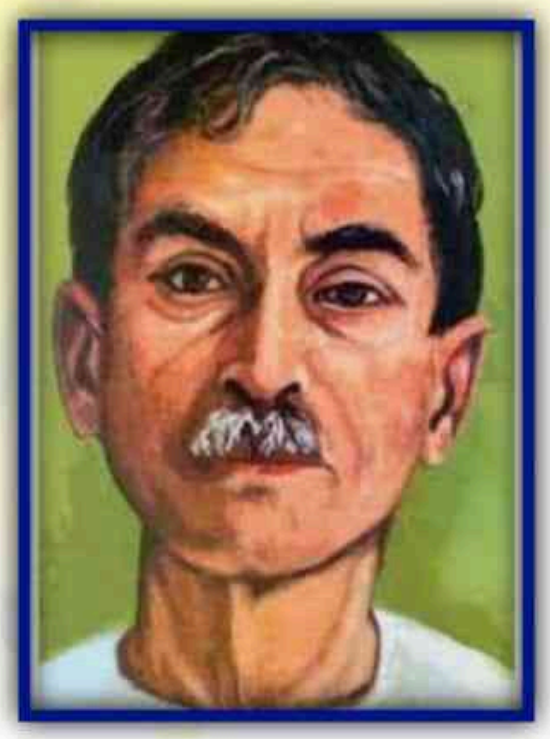

हिन्दी साहित्य के महान लेखक व,
उपन्यास सम्राट थे मुंशी प्रेमचन्द।
31 जुलाई 1880 को वाराणसी के,
लमही गाँव में जन्मे मुंशी प्रेमचन्द।।

पिता अजायब राय, माँ आनन्दी देवी,
16 वर्ष में धनपत राय चढ़े विवाह वेदी।
छोटी उम्र में माता चली गयी छोड़कर,
बचपन बीता विमाता का कोप ओढ़कर।।

ग्राम्य संस्कृति के कुशल चित्रकार थे,
सामाजिक घटनाओं के कलमकार थे।
गबन, गोदान, निर्मला मुख्य उपन्यास तो,
ईदगाह सी कहानियों के श्रेष्ठ सृजनकार थे।।

सामाजिक कुरीतियाँ जड़ से मिटाने,
अशिक्षा और बाल विवाह को हटाने।
आजादी की लड़ाई जीवन भर लड़ी,
उनकी कलम 1936 तक रही खड़ी।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

10

अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"

"प्रिय प्रवास" पहला महाकाव्य,
खड़ी बोली का कहलाया।
"हरिऔध जी" ने 15 अप्रैल, 1865 में,
आजमगढ़ में जन्म पाया।।

श्री भोलानाथ, रुक्मिणी देवी की,
अयोध्या सिंह उपाध्याय सन्तान।
वैदेही वनवास, चुभते चौपदे,
लिखीं थीं रचनाएँ महान।।

अधखिला फूल, रस-कलश लिखा,
प्रद्युम्न विजय नाटक भी सुजान।
द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि,
मंगला प्रसाद पारितोषिक मिला सम्मान।।

मौलिक, उदार, कर्तव्यनिष्ठ,
राधा का स्वरूप किया वर्णन।
16 मार्च, 1947 निजामाबाद में,
हो गया कविवर का दुःखद निधन।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

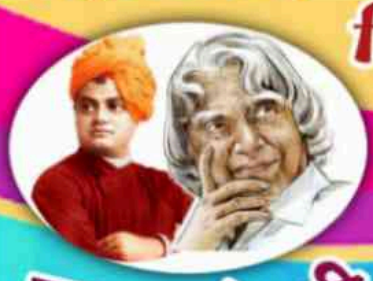

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

11

सुभद्रा कुमारी चौहान

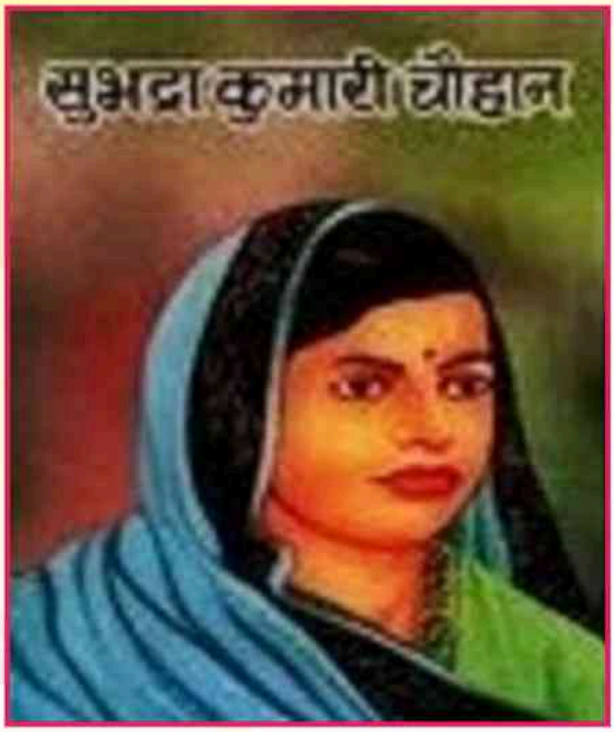

हिन्दी विषय की सुप्रसिद्ध कवयित्री और,
लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान थीं।
जन्म इनका 1904 निहालपुर उत्तर प्रदेश में हुआ,
ये क्रास्थबेट कॉलेज की होनहार विद्यार्थी थीं।।

इनका विवाह खण्डवा के स्वतन्त्रता सेनानी,
ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ हुआ।
श्री ठाकुर रामनाथ की पुत्री कहलाती थीं,
'मर्यादा' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुई कविता।।

अनोखा दान, झिलमिल तारे, मेरे पथिक जैसी,
सर्वश्रेष्ठ कविताओं का कुशलपूर्वक निर्माण किया।
'झाँसी की रानी' नामक देशभक्ति कविता की रचना,
कर भारतीयों में राष्ट्रीय भावना को जागृत किया।।

इन्हें सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने नवीन,
तटरक्षक जहाज को उनका विशेष नाम दिया।
डाक विभाग ने भी एक डाक टिकट जारी किया,
15 फरवरी सन् 1948 मे इनका स्वर्गवास हुआ।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

12

राहुल सांकृत्यायन

9 अप्रैल 1893 को आजमगढ़ में,
राहुल सांकृत्यायन का जन्म हुआ।
बचपन में माता-पिता के निधन के बाद,
नाना-नानी के यहाँ इनका पालन हुआ।।

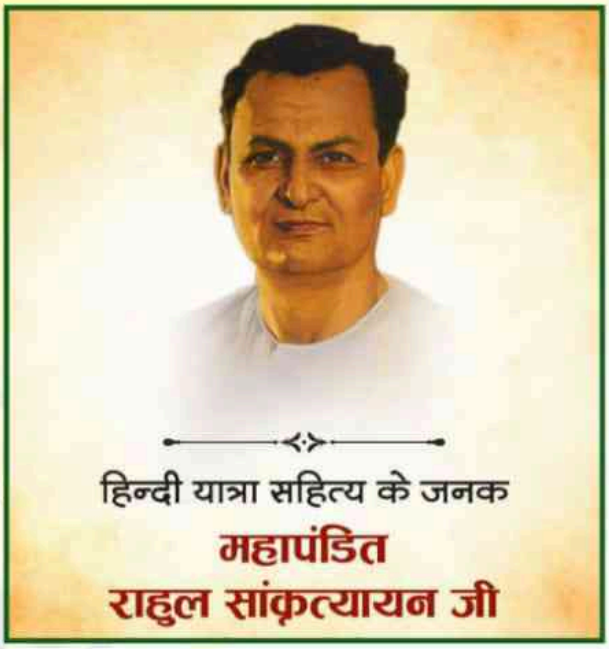

राहुल जी का समग्र जीवन ही,
हिन्दी साहित्य को समर्पित रहा।
उन्होंने जहाँ की भी यात्रा की,
वहाँ की संस्कृति और भाषा का अध्ययन किया।।

छत्तीस भाषाओं के इस ज्ञानी ने लगभग,
सभी विधाओं में साहित्य का सृजन किया।
कई भाषाओं को सीख-सीख कर,
पालि और इस्लामिक ग्रन्थों में अध्ययन किया।।

राहुल जी हिन्दी और हिमालय प्रेमी थे,
1950 में उन्होंने नैनीताल को आवास बनाया।
उन्हें 1958 में साहित्य अकादमी और
1963 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

13

मीराबाई

पाली के कुड़की गाँव में,
मीराबाई जन्म पायी थी।
पिता रतन सिंह ने मीरा की,
शादी भोजराज से करायी थी।।

कुछ समय पश्चात ही पति,
मीराबाई को विधवा कर गये।
मीरा बाई ने न उतारा श्रंगार,
कृष्णा जो मन में उतर गये।।

हरिकीर्तन करती थी मीरा,
मन्दिर-मन्दिर गाती थी।
राज परिवार को मीराबाई की,
यह भक्ति रास न आती थी।।

दिया मीरा को विष का प्याला,
मीरा ने वृन्दावन में डेरा डाला।
मीरा थी कवियत्री आला,
कृष्ण-भक्ति में जीवन गुजारा।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

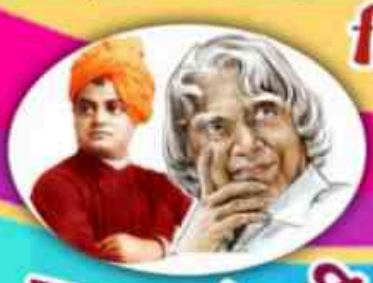

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

14

बाबू श्यामसुन्दर दास

लाहौर से काशी आया, एक प्यारा खन्ना परिवार,
काशी इतना मन को भाया कि वहीं शुरू किया व्यापार।
माँ थी प्यारी देवकी, पिता थे देवीदास,
इनके घर सन् 1875 में पैदा हुए, अद्भुत बालक श्यामसुन्दर दास ।।

बचपन सुख आनन्द से बीता, संस्कृत की सर्वप्रथम है शिक्षा पायी,
क्वीन्स कालेज काशी से पढ़कर, 1897 में बी०ए०की डिग्री है पायी।
शिवकुमार और रामनारायण संग, नागरी प्रचारिणी सभा बनायी,
समय का पहिया ऐसा घूमा, आर्थिक तंगी घर में आयी।।

40 रुपये मासिक पगार पर, चन्द्रप्रभा प्रेस में नौकरी पायी,
हिन्दी साहित्य की सेवा करके, डी०लिट्०की उपाधि है पायी।
भाषा-विज्ञान, भाषा - रहस्य की रचना करके,
हिन्दी में भाषा विज्ञान का मार्ग प्रशस्त किया है।।

कुसुमावली जैसे निबन्ध-संग्रह को रचकर,
हिन्दी के साहित्य जगत को तुमने अनूठा इतिहास दिया है।
पचास वर्षों की अद्भुत सेवा से, हिन्दी जगत समृद्ध हो गया,
सन् 1945 में शारीरिक अस्वस्थता से, साहित्यकार का देहान्त हो गया।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

15

सुमित्रानन्दन पन्त

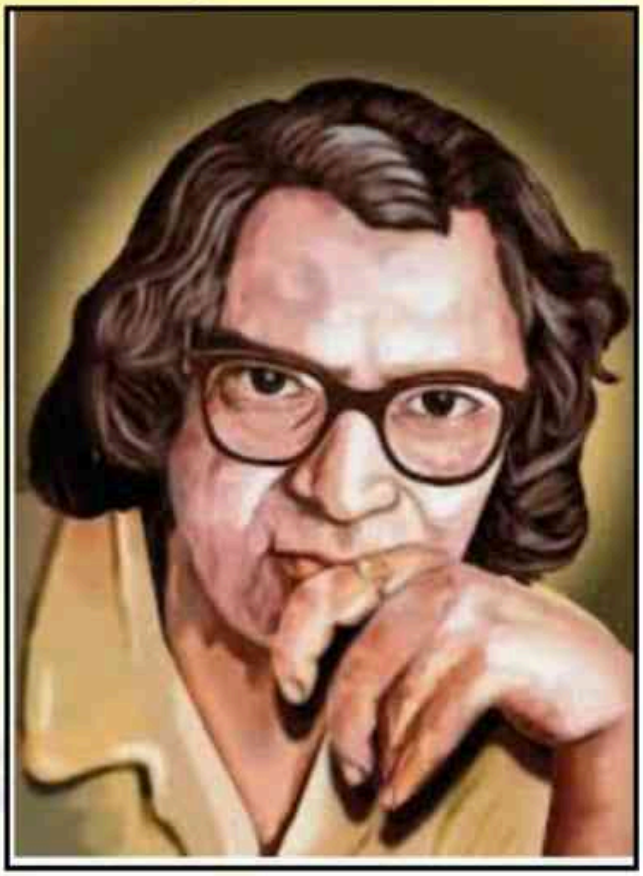

हिन्दी साहित्य युग में,
छायावादी युग है निराला।
इसके चार स्तम्भ हैं आला,
प्रसाद, वर्मा, पन्त, निराला।।

20 मई 1900 को,
सुमित्रानन्दन पन्त जन्मे।
प्रकृति खुशी से फूली,
कौसानी, बागेश्वर में।।

व्यक्तित्व था अनोखा आकर्षक,
हुए महान कवि, दार्शनिक, विचारक।
प्रगतिशील विचारधारा से थे पूर्ण,
प्रकृति प्रेम से रचना हैं परिपूर्ण।।

रचना हैं चिदम्बरा, कला और बूढ़ा चाँद,
वाणी, पल्लव, पुष्प और सत्यकाम।
साहित्य अकादमी, ज्ञानपीठ पुरस्कार,
और पद्मभूषण सम्मान हैं उनके नाम।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

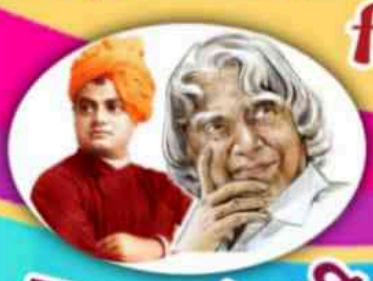

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

16

चन्दबरदाई

1148 ई० में लाहौर में जन्मे,
चन्दबरदाई था जिसका नाम।
चक्रवर्ती सम्राट के सखा बन,
बढ़ाया चारण जाति का सम्मान।।

पृथ्वीराज से सम्मान प्राप्त कर,
हिन्दी भाषा गौरव का मान मिला।
पृथ्वीराज रासो की रचना कर,
प्रथम कवि होने का सम्मान मिला।।

10,000 छन्दों को लिखकर ,
पिंगल भाषी कवि का मान मिला।
सभा, यात्रा या आखेट हो सदा ही,
महाराज से प्रेम व सानिध्य मिला।।

जब गौरी ने चौहान को बन्दी बनाया,
मित्र धर्म निभाने गौरी के राज्य में आया।
दोहा सुना चौहान को लक्ष्य बताया,
गौरी का अन्त कराकर वचन निभाया।।

रचना-इला सिंह (स० अ०)
उच्च प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

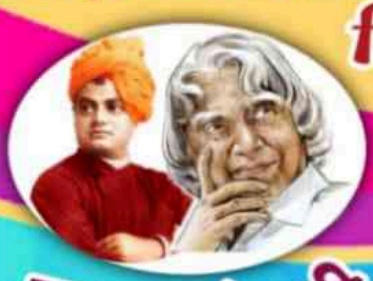

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

17

कबीर दास

निराकार ईश्वर के उपासक,
कबीर दास जिनको कहते।
1398 में जन्म हुआ वाराणसी में,
नीमा-नीरू को माता-पिता कहते।।

भक्ति कालीन युग के महान कवि,
ज्ञानमार्गी धारा के कवि कहलाये
उपदेश दिया सभी जनमानस को,
जातिवाद, छुआछूत को दूर मिटाये।।

किया प्रहार मिथ्या आडम्बर पर,
अन्धविश्वास, कुरीतियों को भगाकर।
नहीं अलग-अलग हैं जाति-धर्म,
मिटाया भेदभाव सन्तान एक बताकर।।

है ईश्वर एक सदा सबको यही बताया,
पंचमेल खिचड़ी भाषा में देते सन्देश।
कबीर ग्रन्थावली,बीजक हैं रचनाएँ,
1518 में त्यागा मगहर में जीवन शेष।।

रचना-प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

18

माखनलाल चतुर्वेदी

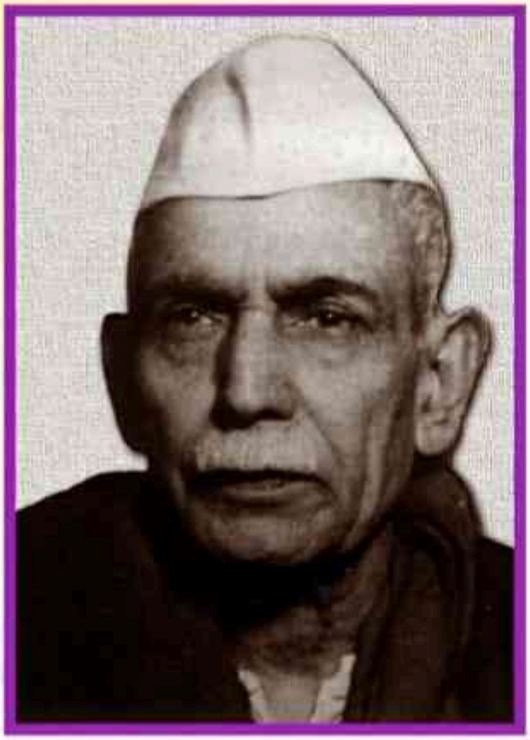

लेखक कवि, वरिष्ठ साहित्यकार,
स्वतन्त्रता सेनानी कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार।
लेखन कौशल से माखनलाल चतुर्वेदी,
बने प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार।।

जन्मे 4 अप्रैल 1889 मध्यप्रदेश बबई में,
1906-1910 तक अध्यापन कार्य में।
प्रतिभाग किया असहयोग आन्दोलन में,
अहम भूमिका भारत छोड़ो आन्दोलन में।।

पुष्प की अभिलाषा, तरंगिणी,
जैसी रचित की हैं प्रमुख रचनायें।
स्वतन्त्रता संग्राम के कर्मठ सिपाही,
आन्दोलन से ओतप्रोत रचनायें।।

1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार,
1963 में पद्मभूषण पुरस्कार।
पण्डित जी के नाम से हुए विख्यात,
एशिया की प्रथम यूनिवर्सिटी के आधार।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

19

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

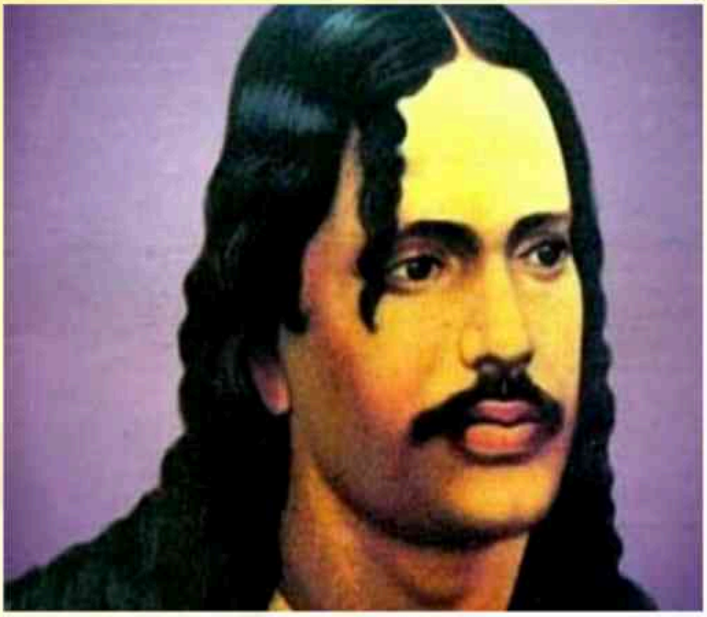

9 सितम्बर 1850 को वाराणसी में,
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म हुआ।
मूल नाम इनका हरिश्चन्द्र है,
भारतेन्दु की उपाधि से नवाजा गया।

आधुनिक हिन्दी साहित्य के,
पितामह के नाम से जाने जाते हैं।
भारतीय नवजागरण के अग्रदूत बने।
देश को जगाने वाले माने जाते हैं।।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, प्रथम नाटककार,
उत्कृष्ट कवि, सशक्त व्यंग्यकार कहलाये।
सामाजिक बुराइयाँ दूर करने के लिए,
साहित्य को अपना लक्ष्य बनाये।।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में,
सम्मान दिलाने का श्रेय इन्हीं को जाता।
अल्पायु में किया हिन्दी साहित्य का उत्थान,
इनकी यशगाथा पूरा विश्व है गाता।।

रचना
रीना कुमारी (स०अ०)
उ प्रा वि सिसाना
बागपत, बागपत

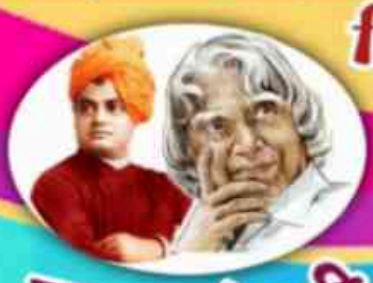

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

20

सूरदास

हिन्दी का स्वर्णिम भक्तिकाल,
श्रीकृष्ण के भक्त खास।
ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि,
कहलाये कवि सूरदास।।

हिन्दी साहित्य के उगते सूर्य,
जन्मान्ध उनको माना जाता।
श्री वल्लभाचार्य इनके गुरु,
रामदास बैरागी इनके पिता।।

वात्सल्य, श्रृंगार, शान्त रस से,
पूर्ण कोमलकान्त पदावली।
उपमाओं की बाढ है इसमें,
कृष्ण-लीला की वर्षा चली।।

पाँच ग्रन्थ प्रमुख हैं इनके,
सूरसागर, सूरसारावली।
साहित्य-लहरी, नल-दमयन्ती,
ब्याहलो की पदावली।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

काव्य मंजरी

21

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

छायावाद के आधारस्तम्भ,
मुक्त छन्द प्रवर्तक थे।
पिता रामसहाय जी उनके,
दलित, शोषित, किसान समर्थक थे।।

अल्प समय में दु:ख की बदली,
जीवन में उनके छायी थी।
स्पेनिश फ्लू इन्फ्लुएन्जा का प्रकोप,
उनके परिवार को लेने आयी थी।।

सिद्धान्त मार्ग का चयन किया,
संघर्षों को स्वीकारा था।
स्वतन्त्र लेखन, अनुवाद कार्य किया,
चित्र कौशल का उन्हें सहारा था।।

रहस्यवादी कवि निराला,
चिन्तन यथार्थवादी था।
भाषा प्रवीण कवि निराला,
हृदय में एक भाव आजादी था।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 खजनी
गोरखपुर

मिशन शिक्षण संवाद

हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार

रचनाकारों की सूची

01- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
02- पूनम गुप्ता "कलिका", अलीगढ़
03- नैमिष शर्मा, मथुरा
04- भावना शर्मा, मेरठ
05- सुमन शर्मा, मथुरा
06- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
07- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
08- दीपा दीक्षित, उन्नाव
09- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
10- शिखा वर्मा, सीतापुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- ज्योति सागर, बागपत
13- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
14- शुभा देवी, फतेहपुर
15- रीना काकरान, मेरठ
16- इला सिंह, फतेहपुर
17- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
18- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
19- रीना कुमारी, बागपत
20- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
21- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर

तकनीकी सहयोग
1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन- काव्य मंजरी टीम